



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 467]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 12, 1982/आश्विन 20, 1904

No. 467]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 12, 1982/ASVINA 20, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आवेश

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1982

क्र०अ० 734 (अ)/18 कक/आईडीआर ए/82 संमति कान्ति फाउंट
मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, सुरेन्द्रनगर गुजरात (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त
औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) एक अनुसूचित उद्योग अर्थात् सूती टेक्स्टाइल
उद्योग में लगा हुआ है ;

और केन्द्रीय सरकार के कानून में दस्तावेजी और अन्य साध्य से,
उक्त औद्योगिक उपक्रम के संबंध में उस का यह समाधान हो गया था कि
वह कम से कम तीन मास की अवधि के लिए बन्द कर दिया गया था
और ऐसी बन्दी सम्बद्ध अनुसूचित उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली
थी तथा उक्त औद्योगिक उपक्रम की वित्तीय स्थिति और उक्त औद्योगिक
उपक्रम की पुनः संचालन तथा मशीनरी की स्थिति ऐसी थी, कि उक्त औद्योगिक
उपक्रम की पुनः चालू किया जाना संभव था और इस प्रकार पुनः चालू
किया जाना लोकहित में आवश्यक था ;

और उक्त औद्योगिक उपक्रम की एक सूचना (जिसे इसमें इसके
पश्चात कारण बताओ सूचना कहा गया है) जारी की गई थी जिसमें उक्त
औद्योगिक उपक्रम द्वारा कारण बताओ सूचना की प्राप्ति की तारीख से
पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर कारण बताए जाने की अपेक्षा की गई थी
कि उक्त संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का, उद्योग (विकास और विनियमन)
अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1)
के खंड (ख) के अधीन प्रबन्ध ग्रहण किये न कर लिया जाए ;

841GJ/82

और उक्त औद्योगिक उपक्रम की सुनवाई का अवसर दिया गया था,

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त औद्योगिक उपक्रम से प्राप्त अभ्यावेदन
पर विचार कर लिया है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,
1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की धारा (1) के खंड (ख) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गुजरात राज्य बन्द निगम का (जिसे
इसमें इसके पश्चात प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) निम्नलिखित निबन्धनों
और शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध
ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत करती है अर्थात् —

(i) प्राधिकृत व्यक्ति, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी
किए गए सभी निर्देशों का पालन करेगा,

(ii) प्राधिकृत व्यक्ति, इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से और का प्रारम्भ होने वाली 30 दिन की अवधि के लिए पद धारण
करेगा,

(iii) केन्द्रीय सरकार, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझती है तो
प्राधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति इससे पहले समाप्त कर सकती है।

2 यह आदेश, राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से और का प्रारम्भ
होने वाले छह मास की अवधि तक प्रभावी रहेगा।

[क्र०सं० 3(1)/82-सी०यू०एम०]

ए०पी० सरयन, सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 12th October, 1982

S.O. 734(E)/18AA/IDRA/81.—Whereas M/s. Kanti Cotton Mills Private Limited, Surendranagar, Gujarat (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) is engaged in a scheduled industry, namely, the cotton textiles industry;

And whereas from the documentary and other evidence in its possession, the Central Government was satisfied in relation to the said industrial undertaking, that it had been closed for a period of not less than three months and such closure was prejudicial to the concerned scheduled industry and that the financial condition, and the condition of the plant and machinery, of the said industrial undertaking were such that it was possible to restart the said industrial undertaking and that such restarting was necessary in the interests of the general public;

And whereas a notice (hereinafter referred to as the show cause notice) was issued to the said industrial undertaking requiring the said industrial undertaking to show cause, within a period of 15 days from the date of receipt of the show-cause notice by the said industrial undertaking, why the management of the whole of the said industrial undertaking should not be taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951);

And whereas an opportunity of a hearing was accorded to the said industrial undertaking;

And whereas the representation received from the said Industrial undertaking has been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises the Gujarat State Textile Corporation (hereinafter referred to as the authorised person), to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (i) the authorised person shall comply with all the directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) the authorised person shall hold office for a period of 30 days commencing on and from the date of publication of this Order in the Official Gazette;
- (iii) the Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier if it considers it necessary to do so.

2. This Order shall have effect for a period of six months commencing on and from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 3(1)/82-C.U.S.]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.